मेरा हस्ताक्षर-मेरी उपस्थिति

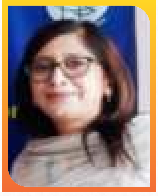

क्षमा सिंह
उच्च प्राथमिक विद्यालय, कन्या बिजनौर,
कक्षा 1 से 8 (कम्पोजिट) सरोजिनी नगर
जनपद- लखनऊ।

नवाचार करने का कारण :– सरकारी स्कूल में शिक्षक के पद पर तैनाती के फलस्वरुप शिक्षिका का जिस विद्यालयी व्यवस्था से प्रथम साक्षात्कार हुआ, वह था विद्यालय में बच्चों की उपस्थित, जो कुल नामांकित बच्चों से बहुत कम थी। उपस्थिति सुधारने के क्रम में कई प्रयास भी किए गए जैसे... अभिभावकों से घर–घर संपर्क, मोबाइल द्वारा संपर्क, छात्रों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित करना और एसएमसी बैठक में एजेंडा में शामिल करते हुए चर्चा–परिचर्चा करना, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। मेरा हस्ताक्षर मेरी उपस्थिति नवाचार एक कदम है। विद्यालय में छात्रों की कम उपस्थिति एवं ठहराव की समस्या समाधान की ओर एक कदम है।

क्रियान्वयनः– इस नवाचार के लिए विद्यालय में चार्ट पर माहवार दिवसों की क्रम संख्या / दिनांक, सप्ताह के नाम, कक्षा के छात्र–छात्राओं के नाम अंकित किये गये। जिसमें छात्र–छात्रा प्रतिदिन विद्यालय आकर अपने नाम के कॉलम में उस दिनांक के सापेक्ष अपने हस्ताक्षर करते हैं, और जिस दिन छात्र किसी कारण से विद्यालय में अनुपस्थित होता हैं, अगले दिन विद्यालय आकर अपने कॉलम में विद्यालय ना आने का कारण जैसे– पेट दर्द, नानी–मामा के घर, बहन की शादी, बुखार आदि लिखता है। माह के अंत में छात्र–छात्रा अपने अंतिम कॉलम में उस माह की कुल उपस्थित दिनो की संख्या शिक्षक की उपस्थिति में अंकित करते हैं, और निम्नलिखित तालिका के अनुसार कॉलम में स्वयं स्टार अंकित करते हैं।

उपस्थिति प्रतिशत	स्टार की संख्या
80% से अधिक	*****
50% से अधिक	***
50% से कम	*

संबधित माह में अधिकतम उपस्थिति वाले छात्र–छात्राओं को 'स्टार ऑफ द मंथ' घोषित किया जाता है और उत्साहवर्धन के लिए उस विद्यार्थी को अगले माह कक्षा का मॉनिटर बनाया जाता है। छात्र–छात्राओं के मनोबल को बढ़ाने के लिए उसके कुल प्राप्त स्टार और औसत उपस्थिति को प्रार्थना सभा में बताया जाता है। वर्ष के अंत में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के आयोजन में सबसे अधिक उपस्थिति वाले छात्र–छात्राओं के माता–पिता को आमंत्रित कर समस्त ग्रामवासियों, वरिष्ठ नागरिक और मुख्य अतिथि के समक्ष सम्मानित किया जाता है। प्रेरणास्वरूप स्टार प्राप्त छात्र–छात्राओं की फोटो कक्षा–कक्ष में लगाई जाती हैं।

वार्षिकोत्सव आयोजन में छात्र–छात्राओं का माता–पिता के साथ सम्मान

प्रभाव– दैनिक हस्ताक्षर करने से छात्र–छात्राओं में अनुशासन और जिम्मेदारी का भाव जगा है और वे नियमित उपस्थित हेतु सजग हो गए है। परिणामस्वरूप न केवल उनकी उपस्थिति में सुधार हुआ है। अब छात्र–छात्राएं बिना किसी दबाव के स्वतः प्रेरित हो, नियमित समय पर विद्यालय आते हैं और आकस्मिक परिस्थितियों में ही वाजिब कारणों से घर पर रुकते हैं। छात्रों में विद्यालय आने की होड़ लग गई है और किसी भी स्थिति में छात्र अपने हस्ताक्षर कॉलम को खाली रखना नहीं चाहते हैं। शुरूआती कक्षाओं के छात्र वर्ण अक्षर की जानकारी न होते हुए भी सभी छात्रों के लिखे नाम को लोगो–ग्राफिक पठन (दृश्य/छवि) की तरह पहचानते हुए पढ़ने लग

जाते हैं। बच्चों को माहवार दिवस की संख्या क्रमवार गिनती की समझ, सप्ताह के दिनों के नाम व उनकी संख्या, उस माह में पड़ने वाले अवकाश की पूर्व जानकारी, अपने उपस्थिति हस्ताक्षर के कुल दिनों का योग करना/उपस्थिति के कुल योग से विद्यालय ना आने वाले दिनों की संख्या को घटा पाना, (पढ़ना–लिखना, जोड़, घटाव) प्रतिशत निकालना, लेखन शैली जैसी बुनियादी दक्षताओं का विकास भी इस नवाचार के माध्यम से स्वतः हो रहा है। इस नवाचार से छात्र–छात्राओं के विद्यालय में अनुपस्थित रहने के कारणों का अभिलेखीकरण करना भी आसान हो गया है और शिक्षक उपस्थिति/अनुपस्थिति पैटर्न को देखते हुए प्रभावी रणनीति बना पा रहे हैं।

माहवार छात्र दैनिक उपस्थिति चार्ट

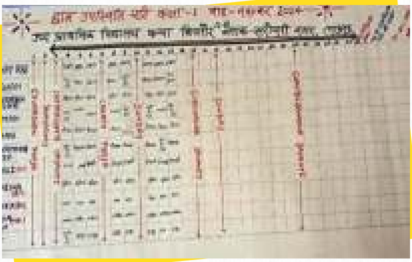

छात्र नामांकन में वृद्धि

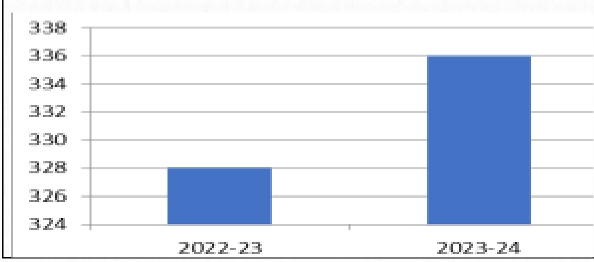

सत्र	छात्र नामांकन
2022-23	328
2023-24	336

इस प्रक्रिया से विद्यालय में एक ऐसी संस्कृति का निर्माण कर पाना संभव हुआ है जहां सभी बच्चे नियमित स्कूल आ रहे हैं। पाठ्यक्रम भी समय से पूर्ण हो पा रहा है। बच्चों को रोज विद्यालय आते देख शिक्षकों को खुशी मिलती है अभिभावकों का विश्वास भी परिशदीय विद्यालयों के प्रति बढ़ रहा है और मैं देख पा रही हूं कि वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत भी कर रहे हैं।